20 नवंबर मतदान, 23 नवंबर नतीजे

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 42 | अंक : 190 | बुधवार, 16 अक्टूबर 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

महाराष्ट्र का महासंग्राम शुरू

- एक ही चरण में होंगे चुनाव
- 35 दिन चलेगा चुनावी घमासान
- मंगलवार 29 अक्टूबर से नामांकन पत्र भरे जाएंगे
- आचार संहिता लागू

उल्हासनगर. महाराष्ट्र विधानसभा 2024 की घोषणा हो चुकी है। कल राष्ट्रीय चुनाव आयोग राजीव कुमार ने पत्रकार परिषद में यह घोषणा कर दी कि एक ही चरण में महाराष्ट्र राज्य विधानसभा के चुनाव होंगे। आगामी बुधवार 20 नवंबर 2024 को मतदान होगा और शनिवार 23 नवंबर 2024 को नतीजे घोषित होंगे। ज्ञात हो कि चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा राज्य में चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। चुनाव का नोटिफिकेशन मंगलवार 22 अक्टूबर 2024 को जारी होगा और अगले ही सप्ताह नामांकन पत्र 29 अक्टूबर 2024 से दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 30 अक्टूबर 2024 को होगी और नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 3 नवंबर 2024 को होगी।

मतदान बुधवार 20 नवंबर 2024 को होगा और मतगणना 23 नवंबर 2024 को की जाएगी।

सीटों पर फंसा पेच

महाराष्ट्र में सीटों को लेकर अभी भी पेच फंसा हुआ है. एक और महायुती को सीट शेयरिंग फॉर्मूला पर मंथन करना बाकी है, दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी में भी सीटों पर पेंच फंसा है. महायुती में एकनाथ शिंदे की शिवसेना अधिक सीट मांग रही है तो महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस बड़ा भाई बनना चाहता है. यहां उद्धव गुट की शिवसेना मानने को तैयार नहीं है। राकांपा अजित पवार गुट भी सीट फार्मूला से खुश नहीं है। उनके अलग चुनाव लड़ने पर विचार चल रहा है।

26 नवंबर को कार्यकाल समाप्त

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है. महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा इस चुनाव में गरमा सकता है. महाराष्ट्र की 288 सीटों के चुनाव के लिए सालों बाद नया समीकरण बनेगा. राज्य में 29 अनुसूचित जाति और 25 अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित हैं. पहले यहां मुकाबला तकरीबन त्रिकोणीय ही होता रहा है. अब महायुति और महाविकास आघाड़ी में लड़ाई देखने को मिलेगी। भाजपा-शिवसेना शिंदे, अजित पवार, कांग्रेस, शरद पवार व उद्धव ठाकरे के बीच ही असली टक्कर होगी।

नोटिफिकेशन जारी करने की तारीख
22 अक्टूबर

नॉमिनेशन की आखिरी तारीख
29 अक्टूबर

नॉमिनेशन के स्क्रूटनी की तारीख
30 अक्टूबर

उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख
3 नवंबर

महाराष्ट्र में मतदान की तारीख
20 नवंबर

महाराष्ट्र में चुनाव के नतीजों की तारीख
23 नवंबर

चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने की तारीख
25 नवंबर

चुनाव से जुड़ी अहम जानकारियां

- महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा क्षेत्र हैं.
- एससी में 29 और एसटी में 25 निर्वाचन क्षेत्र हैं.
- मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो जाएगा. उससे पहले विधानसभा चुनाव होने हैं.
- महाराष्ट्र में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 9.59 करोड़ है.
- पुरुष मतदाताओं की संख्या 4.59 करोड़ और महिला मतदाताओं की संख्या 4.64 करोड़ हैं.
- थर्ड जेंडर के मतदाताओं की संख्या 6 हजार है.
- 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 12.48 लाख है.
- 19.48 लाख पहली बार वोट देने वाले मतदाता हैं.
- महाराष्ट्र में 1 लाख 186 मतदान केंद्र हैं
- 9 लाख नई महिला वोटर हैं.
- शहरी क्षेत्र के शत-प्रतिशत बूथों पर सीसीटीवी लगाये जायेंगे.
- ग्रामीण इलाकों में 50 फीसदी बूथों पर सीसीटीवी लगाये जायेंगे.

आयलानी, कालानी व राजवानी में होगी टक्कर

चुनाव घोषित होते ही शहर में यह चर्चा ने जोर पकड़ लिया है कि अब चुनाव मैदान में कौनसे चेहरे देखने को मिल सकते हैं। यहां पर भी महायुति व महाविकास आघाड़ी में ही लड़ाई होगी लेकिन टिकट से वंचित पक्ष के नेता निर्दलीय उम्मीदवार लड़ने के लिए पूरी तैयारी कर चुके हैं। वर्षों से राज कर रहे कालानी व आयलानी टिकट पाने के लिए अपने आकाओं के पास चक्कर काट रहे हैं। तो वहीं राकांपा नेता भरत गंगोत्री ने भी नए चेहरे की मांग को देखते हुए जोरदार प्रचार के साथ मैदान में उतरने का ऐलान किया है कि अगर उन्हें राकांपा से टिकट नहीं मिला तो वो अपक्ष के तौर पर उल्हासनगर 141 से चुनाव लड़ेंगे। उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने कुछ ही समय में अपनी पकड़ भी बना ली है। भाजपा का टिकट पाने के लिए कुमार आयलानी प्रबल दावेदार हैं तो भाजपा से प्रदीप रामचंदानी व जमनू पुरस्वानी नाम भी गए हैं। वहीं

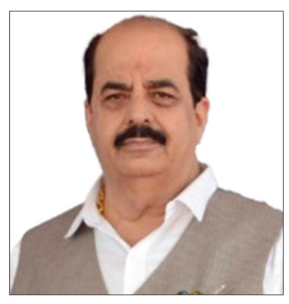

राकांपा शरद पवार गुट से ओमी कालानी को साक्षात्कार बैठक में खरी खोटी सुनने के बाद कहीं यह टिकट भगवान भालेराव को मिल गया तो कालानी के लिए यह झटका होगा और अगर मिलता है तो शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट उनके विरुद्ध ही काम करेगी। वंचित बहुजन आघाड़ी से संजय गुप्ता के नाम की घोषणा हो चुकी है तो वहीं शिवसेना शिंदे गुट से भी राजेंद्र चौधरी ने दावेदारी दी है। अब जब तक पक्ष के नेता अपना फार्मूला तय नहीं करते और अपनी सूची जारी नहीं करते तब तक यह

दावेदार सोशल मीडिया पर भावी आमदार का प्रचार करने में जुटे हैं। फिलहाल उल्हासनगर शहर में आयलानी, कालानी व राजवानी में ही कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

अंबरनाथ विधानसभा

अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना से मौजूदा विधायक बालाजी किणीकर का चुनाव लड़ना तय है तो वहीं महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस से रोहित सालवे व उद्धव गुट से राजेश वानखेडे दावेदार हैं। इनके अलावा कितने अन्य पक्ष अपना दावा ठोकते हैं यह कुछ ही दिन में सामने आएगा। अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र में उल्हासनगर- 4 व 5 के करीब 12 वार्डों का समावेश है। यहां सिंधी समाज के वोट निर्णायक होंगे।

कल्याण पूर्व विधानसभा

कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा दावेदार हैं। हिललाईन पुलिस थाने में गोलीबारी प्रकरण में गिरफ्तार गणपत गायकवाड़ की पत्नी चुनाव मैदान में उतरने जा रही है उन्हें मंत्री रविंद्र चव्हाण का समर्थन है। वहीं शिवसेना शिंदे गुट से भी निलेश शिंदे, विशाल पावशे व महेश गायकवाड़ भी टिकट मांग रहे हैं। अब इन चारों में से एक को ही टिकट मिलना है। अन्यथा यह अपक्ष मैदान में उतर सकते हैं। वहीं शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से धनंजय बोडारे भी मैदान में उतर रहे हैं। ज्ञात हो कि उल्हासनगर-4 का काफी क्षेत्र कल्याण पूर्व

उल्हासनगर में भाजपा द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन

- भाजपा नेता राजेश वधरिया व राम चार्ली द्वारा कार्यक्रम का आयोजन
- लाडली बहन योजना का टाऊन हॉल में हो रहा था कार्यक्रम
- भाजपा जिलाध्यक्ष ने उल्लंघन पर नो कामेंट्स कहा

उल्हासनगर. महाराष्ट्र राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। उसी के साथ राज्य सहित उल्हासनगर में भी आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आचार संहिता के दौरान कोई भी पक्ष का नेता सार्वजनिक कार्यक्रम पक्ष के बैनर तले नहीं कर सकता है लेकिन चुनाव की घोषणा जब 15 अक्टूबर की दोपहर 3.30 बजे की जा रही थी उसी दौरान विधायक कुमार आयलानी के टाऊन हॉल में भाजपा नेता व पूर्व नगरसेवक राजेश वधरिया व राम चार्ली द्वारा शाम करीब 4 बजे लाडली बहन योजना के तहत कार्यक्रम किए हुए थे जहां शामिल सैकड़ों महिलाओं का सम्मान व तोहफे भी दिए गए। इस कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष

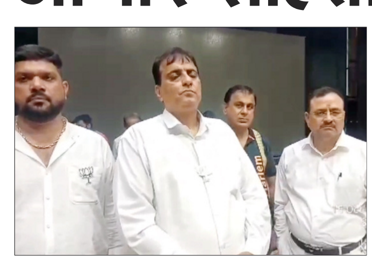

प्रदीप रामचंदानी सहित कई भाजपा नेता शामिल हुए। भाजपा जिलाध्यक्षा प्रदीप रामचंदानी से जब पूछा गया कि आचार संहिता उल्लंघन के दौरान आप यह कार्यक्रम कैसे कर रहे हैं उस पर उन्होंने नो कामेंट्स का जवाब दिया है। इस आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत पुलिस, मनपा आयुक्त सहित उपविभागीय अधिकारी को दी गई है। कार्यक्रम के दौरान गोपनीय विभाग के दो अधिकारियों ने भी वीडियो निकाला हुआ है। अब देखना है कि इस मामले में विपक्ष कौन सा कदम उठाते हैं और चुनाव अधिकारी इस पर क्या कार्रवाई करते हैं। रात 9 बजे भी भाजपा नेता राम चार्ली द्वारा टाउन हाल में साड़ी वितरण का कार्यक्रम चल रहा था, जिसे शिकायत के बाद रोका गया.

मनपाकर्मियों को 17 हजार रुपए दिपावली बोनस

- मनपा के खजाने पर 3 करोड़ 52 लाख का भार
- हर वर्ष बढ़ते हैं 500 रुपए

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के कर्मचारियों को इस साल 17 हजार रुपये का बोनस मिलेगा। मनपा आयुक्त विकास ढाकने और सभी कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ सोमवार को हुई बैठक में 17 हजार रुपये दिवाली बोनस देने का निर्णय लिया गया.

उल्हासनगर मनपा में कुल 2200 कर्मचारी और शिक्षक कार्यरत हैं। हर दिवाली पर कर्मचारियों को बोनस दिया जाता है. लेकिन इस बोनस की राशि हर साल 500 रुपये बढ़ जाती है. पिछले साल इन कर्मचारियों को 16,500 रुपये का दिवाली बोनस दिया गया था. तो इस साल कमिश्नर के साथ यूनियन पदाधिकारी के साथ बैठक में 17 हजार रुपये बोनस देने का निर्णय लिया गया है.

इस बैठक में आयुक्त विकास ढाकने, अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, मुख्य लेखा अधिकारी किरण भिलारे, लेबर फ्रंट यूनियन के अध्यक्ष श्याम गायकवाड़, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष चरण सिंह टाक, महाराष्ट्र नवनिर्माण कामगार सेना के अध्यक्ष दिलीप थोरात और भारतीय कामगार सेना के राधाकृष्ण साठे एवं मनपा जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले उपस्थित रहे. लेखाधिकारी किरण भिलारे ने बताया कि इस बोनस से मनपा के खजाने पर तीन करोड़ 52 लाख रुपए का अतिरिक्त भार आएगा।

अंबरनाथ में प्रदीप पाटिल, अरविंद वालेकर करेंगे राजकीय धमाका

- किणीकर के मुकाबले में होगा एक संयुक्त तगड़ा उम्मीदवार?

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर 2024 को होंगे, ऐसी घोषणा चुनाव आयोग द्वारा की जा चुकी है. अंबरनाथ विधानसभा 140 (एससी) से अभी तक किसी भी पक्ष ने अपने उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया है, लेकिन ये साफ दिखाई दे रहा है कि महायुति से शिवसेना शिंदे गट के उम्मीदवार तीन बार के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर का नाम सामने आ रहा है, तो दूसरी ओर उनके मित्र पक्ष भाजपा ने भी अंबरनाथ से उम्मीदवारी मांग कर मंजू खानजी धल का नाम आगे किया है. महाविकास आघाड़ी से शिवेसना उबाठा से राजेश वानखेड़े उम्मीदवार हो सकते हैं. महाविकास आघाड़ी का मित्र पक्ष कांग्रेस से भी तीन लोगों ने रोहित सालेव, सुमेध भवार, अनिता जाधव ने टिकिट मांगा है. राकांपा शरद पवार गट से महेश तपासे का नाम है.

अब देखना ये है कि महाविकास आघाड़ी से ये सीट कौन से पक्ष की झोली में गिरेगी. अगर महायुति से शिवसेना शिंदे और महाविकास आघाड़ी से शिवसेना उबाठा को उम्मीदवारी दी गई तो अंबरनाथ विधानसभा में शिवसेना विरुद्ध शिवसेना के बीच मुकाबला हो सकता है. जो कि कांटे की टक्कर हो सकती है. एक बहुत बड़ा सस्पेंस ये भी है कि शिवसेना शिंदे गट के दबंग नेता शहर प्रमुख अरविंद वालेकर एवं विधायक किणीकर के बीच नाराजगी चल रही है. वह क्या रंग लाएगी. कांग्रेस के पूर्व शहराध्यक्ष प्रदीप पाटिल जो लोकसभा चुनाव के समय शिवसेना शिंदे गट में चले गए थे. वह भी अपने पक्ष से नाराज हैं. क्या प्रदीप पाटिल और अरविंद वालेकर दोनों हाथ मिलाकर क्या अपना एक अलग उम्मीदवार खड़ा करेंगे. अथवा दोनों शिवसेना उबाठा में प्रवेश करके उनका मनपसंद उम्मीदवार देंगे. वह एड. संदीप भराडे हो सकते हैं. चार दिनों के भीतर हम एक जारदार धमाका करने वाले हैं, ऐसा प्रदीप पाटिल ने पत्रकारों से कहा है. क्या वह धमाका प्रदीप पाटिल और वालेकर ग्रुप हाथ मिलाकर करेगा? ऐसी चर्चा शहर में जोरों पर है.

मनपा में 3 अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति से प्रशासनिक कार्यों में आएगी तेजी

उल्हासनगर. लंबे समय के बाद उल्हासनगर महानगर पालिका में तीन अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर आये हैं. इससे प्रशासनिक कार्य में तेजी आयेगी. महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए अधिकारियों में अजय साबले, सुनील लोंढे, मयूरी कदम शामिल हैं। आयुक्त विकास ढाकने ने इन सभी अधिकारियों को सहायक आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी है.

जमीर लेंगरेकर और किशोर गवस पहले महानगर पालिका में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी हैं, दोनों अतिरिक्त आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं। प्रशासनिक कार्य के संदर्भ में, आयुक्त विकास ढाकने ने चुनाव, संपत्ति, वाहन, परिवहन, सूचना और प्रौद्योगिकी, संपत्ति कर, जनसंपर्क, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के लिए सहायक आयुक्त अजय साबले, सामान्य प्रशासन, खेल और सांस्कृतिक, स्थानीय संगठन के लिए सुनील लोंढे तथा कर, भंडार, आपदा प्रबंधन, जनगणना आदि के लिए मयूरी कदम को नियुक्त किया है.

जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

बदलापुर. महाराष्ट्र प्रदेश राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव कैप्टन आशिष दामले ने बदलापुर (पूर्व) क्षेत्र के कात्रप क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन किया. उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. अस्मिता कांबले की पहल पर यह कार्यालय शुरू किया है. राकांपा के बदलापुर शहर अध्यक्ष प्रभाकर पाटिल सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे.

विधायक किणीकर द्वारा विकास कार्य अहवाल पेश

- मुझे अब तक उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया है : किणीकर

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. शिवसेना शिंदे गट से मैं उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया हूं, लेकिन धनुष्य बाण ये ही हमारा उम्मीदवार है. अपना 15 वर्ष के विकास कार्यों का अहवाल विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने आज पेश किया. उस समय सुनिल चौधरी भी उपस्थित थे. आचार संहिता लागू होने से पूर्व उन्होंने अपने तीन टर्म के कार्यकाल का कार्य अहवाल पेश किया. जिसमें अंबरनाथ एवं उल्हासनगर में किए गए विकास कार्यं का जिक्र है. उन्होंने कहा कि उनकी उम्मीदवारी अभी तक घोषित नहीं की गई है, लेकिन वह शिवसेना के कोषाध्याक्ष होने की हैसियत से ये कार्य अहवाल पेश कर रहे हैं. ऐसा उन्होंने कहा है. जैसा कि आपको मालूम ही है कि किणीकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे के एकद निकटवर्तीय हैं. इसलिए उम्मीदवारी उन्हीं को मिलेगी, ऐसा समझा जा रहा है. उन्होंने अपने कार्य अहवाल में अंबरनाथ में निर्माण होने वाले मेडिकल कॉलेज, पूर्व में बनकर तैयार न्यायालय, उल्हासनगर में सिंधी कम्युनिटी हॉल, आईटीआई की नई इमारत, जलापूर्ति के लिए 200 करोड़ रुपए मंजूर आदि कई विकास कामों का जिक्र किया है.

नागरिकों की शिकायतों का शीघ्र होगा निवारण

- प्रत्येक सोमवार को वार्डवार जनसंवाद बैठकें
- मनपा आयुक्त ने नियुक्त किए 4 समन्वयक अधिकारी

उल्हासनगर. विभिन्न नागरिक समस्याओं की शिकायत लेकर एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय भटक रहे नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए उल्हासनगर मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस हेतु प्रत्येक सोमवार को वार्डवार जनसंवाद बैठकें आयोजित की गयी है तथा 4 मुख्य समन्वयक अधिकारी नियुक्त किये गये है।

मनपा आयुकत विकास ढाकने ने यह महसूस किया कि नागरिक अपनी छोटी-छोटी शिकायतें लेकर मुख्यालय आते हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए नागरिकों और प्रशासन के बीच सामंजस्य बनाए रखने और वार्ड समिति स्तर पर सीधे शिकायतों का निवारण करने के लिए वार्डवार चार मुख्य समन्वय अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

वार्ड समिति नं. 1-प्रशासनिक अधिकारी दीपक धनगर, वार्ड समिति क्रमांक. 2-सहायक आयुक्त अजय साबले, वार्ड समिति क्रमांक 3-सहायक आयुक्त मयूरी कदम, वार्ड समिति क्रमांक 4-सहायक आयुक्त डॉ. सुनील लोंढे शामिल हैं. सभी मुख्य समन्वयक अधिकारी प्रत्येक सोमवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक वार्ड समिति कार्यालय में उपस्थित होकर जनसंवाद बैठक की अध्यक्षता करेंगे, संबंधित सहायक आयुक्त एवं वार्ड क्षेत्र अधिकारी एवं सभी विभागों के वार्ड क्षेत्र अधिकारी स्तर के अधिकारी उक्त बैठक में भाग लेंगे।

महाराष्ट्र सरकार के साथ-साथ महानगर पालिका की विभिन्न योजनाओं, महत्वपूर्ण परिपत्रों के बारे में जानकारी देने के लिए। इसके बाद हर नागरिक को हॉल में बुलाकर उनकी शिकायत दर्ज की जाए.

अतिक्रमण विभाग के 134 कर्मचारियों का स्थानांतरण

कल्याण. मनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ के आदेश पर अपर आयुक्त हर्षल गायकवाड़ ने केडीएमसी में अतिक्रमण नियंत्रण विभाग के 134 कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है. ये कर्मी दस वार्डों में अतिक्रमण नियंत्रण विभाग, फेरीवाला हटाओ दस्ते में कार्यरत थे.

फेरीवालों को हटाते हुए अतिक्रमण नियंत्रण विभाग के कई कर्मचारी कई वर्षों से एक ही वार्ड में काम कर रहे थे. इसलिए, वे फेरीवालों, अवैध बिल्डरों और भू-माफियाओं से जुड़े हुए थे। मनपा आयुक्त डॉ. जाखड़ द्वारा बार-बार फेरीवालों को हटाने के आदेश के बावजूद फेरीवाले कल्याण, डोंबिवली क्षेत्र के रेलवे स्टेशन क्षेत्र से नहीं हटे.

साथ ही चर्चा यह भी थी कि अतिक्रमण नियंत्रण विभाग के कुछ कर्मचारी मनपा सीमा में अवैध निर्माण को समर्थन देने में शामिल थे. इसलिए, शिकायतकर्ताओं की शिकायत थी कि इस विभाग के कर्मचारियों के हस्तक्षेप के कारण निर्माणों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, भले ही महानगर पालिका ने अवैध निर्माणों के खिलाफ कितनी भी आक्रामक कार्रवाई की हो।

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

मुंबई पुलिस की साख का सवाल

राजनेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में जिस तरह हत्या कर दी गई, उससे एक बार फिर महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा है। इस हत्याकांड को लेकर आरोपों के घेरे में जिस तरह के लोग आ रहे हैं, उससे यह भी जाहिर हुआ है कि जेल में बंद कोई अपराधी कैसे आपराधिक साजिशों को आसानी से अंजाम दे लेता है और पुलिस लाचार देखती रहती है। बाबा सिद्दीकी अजीत पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के ऐसे नेता थे, जिनकी राज्य की राजनीति और फिल्म उद्योग में खासी पकड़ और पैठ थी। सवाल है कि जब इतने ऊंचे कद के नेता की सरेआम हत्या करने में अपराधियों को कोई खास बाधा पेश नहीं आई, तो आम लोग किस आधार पर खुद को सुरक्षित मानें। पकड़े गए आरोपियों के जरिए सामने आ सके ब्योरे यह बताने के लिए काफी हैं कि वारदात को अंजाम देते हुए उनके भीतर पुलिस और कानूनी कार्रवाई का कोई खौफ नहीं था। इससे सबसे चौकस मानी जाने वाली मुंबई पुलिस की कुशलता पर भी सवाल उठे हैं।

लारेंस बिश्नोई गैंग का हाथ होने की आशंका

कहा जा रहा है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे लारेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ हो सकता है। अगर यह खबर सच है, तो यह समूची कानून-व्यवस्था को कठघरे में खड़ा करती है कि जेल में बंद एक अपराधी कैसे अंदर बैठ कर बाहर किसी जानी-मानी हस्ती की हत्या कराने में कामयाब हो जाता है। आखिर क्या वजह है कि इस तरह के अपराध को अंजाम देने वालों पर काबू पाने में पुलिस या संबंधित महकमे नाकाम साबित हो रहे हैं?

पहले भी खबरें आ चुकी हैं कि लारेंस बिश्नोई और उसका गिरोह किस तरह देश-विदेश में फैले अपने संगठित तंत्र के जरिए बड़ी-बड़ी वारदात कराता है। विडंबना है कि ऐसी खबरें सरेआम फैली होने के बावजूद अलग-अलग राज्यों में कानून-व्यवस्था का मोर्चा संभालने वाली पुलिस को उसे रोक पाने में कामयाबी नहीं मिल पा रही। अगर किसी दुर्दांत अपराधी को जेल में रहकर भी मनमानी करने का अवसर मिल जाता है, तो यह वास्तव में कानून-व्यवस्था लागू कराने वालों की कार्यक्षमता पर तीखा सवाल है।

पाकिस्तान जाने का भारतीय फैसला कितना कारगर

भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का सदस्य देश है। चूंकि इस संगठन के सदस्यों का विस्तार यूरेशिया के बड़े भूभाग तक है, इसलिए इसकी बैठकों में होने वाली चर्चा नई दिल्ली के लिए काफी अहमियत रखती है। इसी कारण भारत को इसमें नियमित तौर पर शामिल होना चाहिए। मगर यह तर्क तब बेमानी हो जाता है, जब इसकी बैठक पाकिस्तान में होने वाली हो, जैसा कि अभी 15 और 16 अक्तूबर को इसके शासनाध्यक्षों की बैठक आयोजित है। आखिरकार, अगस्त 2016 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दक्षेस के गृह/ आंतरिक मामलों के मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के बाद कोई भी वरिष्ठ भारतीय नेता पाकिस्तान नहीं गया है। बहरहाल, आज विदेश मंत्री एस जयशंकर इस बैठक में शामिल होने इस्लामाबाद रवाना हो रहे हैं। इससे यह कयास भी गति पकड़ने लगा है कि क्या बैठक से इतर कोई द्विपक्षीय बातचीत होगी? अगर ऐसा कुछ होता है, तो अहम सवाल यही है कि क्या इससे आपसी रिश्तों में कोई फर्क पड़ेगा? पाकिस्तान किसी भी द्विपक्षीय बैठक के लिए जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की पुनर्बहाली की मांग पर अड़ा हुआ है और पाकिस्तानी हुकूमत भारत विरोधी बयानबाजी मुसलसल किए जा रही है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिया गया भाषण भी उनकी सदनीयत का संकेत नहीं देता। दरअसल, इस्लामाबाद आंतरिक मुश्किलों में इस कदर उलझा हुआ है कि उसके लिए विदेश नीति के मोर्चे पर कोई बड़ी पहल करना मुश्किल है। दिवालिया होने के कगार पर खड़ी

उसकी अर्थव्यवस्था को अभी मुद्रा कोष से सात अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज से कुछ राहत मिली है। फिर, वहां राजनीतिक ध्रुवीकरण अपने चरम पर है। ऐसे में, भारतीय विदेश मंत्री की इस यात्रा से द्विपक्षीय मोर्चे पर सकारात्मक विकास की उम्मीद काफी कम है। हालांकि, यह अच्छा है कि नई दिल्ली ने अपने मंत्री को भेजने का फैसला करके अपने लचीले रुख का संकेत दिया है। इससे पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठानों की सार्वजनिक बयानबाजी के पीछे की मंशा को समझने का मौका मिल सकता है।

खैर, आपसी बातचीत में हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। पहली, पश्चिमी सीमा पर पसरी अपेक्षाकृत शांति के कारण भारत को संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए, क्योंकि पूरी आशंका है कि पाकिस्तान अपने मौजूदा संकट से ज्यों ही उबरेगा, भारत को सीमा पार के दुस्साहसों का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर, यह कयास भी अगर साकार हुआ कि पाकिस्तान टूट जाएगा, तो भारतीय सीमा पर उथल-पुथल बढ़ सकती है। इसीलिए, हमारे लिए पाकिस्तान एक ऐसी चुनौती है, जिससे कूटनीति सहित तमाम साधनों से हमें निपटना होगा। दूसरी, पिछले कुछ वर्षों से भारत पाकिस्तान के बजाय चीन को मुख्य खतरा मानने लगा है। ऐसा पश्चिमी सीमा पर शांति के कारण हुआ है। इसकी अनिवार्यता और बढ़ती आंतरिक चुनौतियों के मद्देनजर हालात संभालने की पाकिस्तानी महत्वाकांक्षा की वजह से ही 2021 में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष-विराम लागू हुआ था। यह एक संकेत था कि आपसी रिश्तों को पूरी तरह से सामान्य बनाना बेशक मुश्किल हो, पर द्विपक्षीय संबंध अस्थिरता को कम कर सकता है। इसे नजरंदाज नहीं करना चाहिए। तीसरी, उथल-पुथल के लंबे दौर के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों ने एक बार फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना भरोसा जताया है। यहां के दल शांति-स्थापना के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत का आह्वान करते रहे हैं। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति में सांविधानिक बदलाव का विरोध किया है। उसकी विघटनात्मक कार्रवाइयां यहां के हालात पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। ऐसे में, नई दिल्ली के पास अभी दो विकल्प हैं। पहला, पाकिस्तान पर दबाव बदस्तूर बनाए रखना, मगर इससे पश्चिमी सीमा पर उथल-पुथल बढ़ सकती है। पाकिस्तान आतंकवाद के जरिये जवाबी दबाव बनाने की कोशिश कर सकता है। दूसरा, द्विपक्षीय कूटनीति के जरिये पश्चिमी सीमा पर स्थिरता बढ़ाने के अवसरों के मद्देनजर संतुलित नजरिया बनाए रखना। इस संदर्भ में हमें विदेश मंत्री का हालिया बातों गौर करना चाहिए कि पाकिस्तान के किसी सकारात्मक कदम का भारत स्वागत ही करेगा।

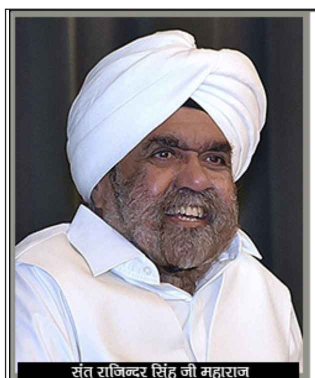

शांति व एकता को हम निश्चित रूप से पा लेते हैं जब हम अपनी आत्मा और परमात्मा का मिलाप करा लेते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अनुशासन की चिंता

कोई भी समाज संयम, सहिष्णुता और सद्भावना से ही सशक्त होता है। अगर कभी समाज इन लोकतांत्रिक भावनाओं के प्रतिकूल चलने लगता है, तो न केवल हिंसा की आशंका बढ़ जाती है, बल्कि समाज में भय का माहौल बन जाता है। वाकई संयम का ही अभाव था कि दिल्ली में सड़क पर रास्ता देने-न देने का एक मामला फिर जानलेवा हो गया। दशहरा मेले से लौट रहे दो भाइयों पर तीन अपराधियों ने ऐसे हमला बोल दिया कि एक भाई की मौत हो गई। क्या सड़क पर हुए इस विवाद को सद्भावना के साथ सुलझाया जा सकता था? क्या हम सड़क पर या समाज में संयम खोने लगे हैं? क्या हमारे मन में नाना प्रकार की कुंठाएं भरती चली जा रही हैं? क्या परस्पर ईर्ष्या ने हमें क्रोधी बना दिया है? एक बदलाव पर गौर करने की जरूरत है, पहले के दौर में अक्सर लोग कहते थे कि सहना सीखो, मिल-जुलकर रहना सीखो। गांधीजी के हवाले से भी अक्सर कहा जाता था कि कोई एक गाल पर थप्पड़ मारे, तो दूसरा आगे कर दो। अब जब शांति-अहिंसा के दर्शन को भुलाया जा रहा है, तब सड़क हो या समाज, लोग ईंट का जवाब पत्थर से देने को लालायित हैं। प्रतिमा विसर्जन के समय उत्तर प्रदेश के बहराइच में जो हुआ या झारखंड के गढ़वा में जो हुआ, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शायद हर समुदाय यह मानने लगा है कि पूरे समाज या देश को उसके हिसाब से चलना चाहिए, अगर देश या समाज उसके हिसाब से नहीं चलेगा, तो वे कानून हाथ में ले लेंगे। किसी शोभायात्रा पर पत्थर फेंकने की घटना सामान्य नहीं है, ध्यान दीजिए, नफरत के ये पत्थर कोई एक दिन में जमा नहीं हुए हैं। कई लोग बदला लेने या अपनी मनमानी चलाने के लिए भरे बैठे हैं, उन्हें कोई भी बार-बार याद नहीं दिला रहा है कि सद्भाव के साथ रहना ही समझदारी है। ऐसे लोग जगह-जगह हैं, तभी तो शोभायात्राओं पर जगह-जगह हमले हुए हैं। इसका एक दूसरा पहलू भी है, शोभायात्रा निकालने की अपनी शोभा है। शोभनीय ढंग से अगर ऐसा किया जाए, तो शायद ज्यादा समस्या नहीं होगी। उग्रता, हुड़दंग, अभद्र शोर, भड़काऊ नारेबाजी से क्या किसी यात्रा की शोभा बढ़ सकती है? हां, अगर कोई शोभनीय और आधिकारिक रूप से स्वीकार्य यात्रा पर आपत्ति करता है, तो यह किसी अपराध से कम नहीं है। धार्मिक आचरण की आदर्श स्थिति है कि आपके व्यवहार से किसी को तकलीफ न होने पाए। तकलीफ पहुंचाना अधर्म है।

वैसे, ईमानदारी से यह भी देखना चाहिए कि लोग संयम, सहिष्णुता त्यागकर आखिर क्यों कानून अपने हाथ में लेने लगे हैं? किसी यात्रा का अशोभनीय होना और किसी शोभा यात्रा को निशाना बनाया जाना, दोनों ही स्थितियों में कानून-व्यवस्था की कमी जिम्मेदार होती है। पुलिस को ऐसी शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। हर समुदाय में शासन-प्रशासन की मजबूत पकड़ होनी चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही है, तो इसका मतलब यह भी है कि वहां के जन-प्रतिनिधि भी समाज में पलते विवादों को सुलझाने में नाकाम हो रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में शांति बनाए रखना प्राथमिक रूप से पुलिस और जन-प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। सामाजिक, धार्मिक संगठनों को भी समाज में उग्रता बढ़ाने के काम करने के बजाय विनम्रता को खाद-पानी देना चाहिए। समाज में चहुंओर बढ़ते गुस्से का यही समाधान है।

भारतीय शख्स ने दिखाई दुनिया की सबसे संकरी सड़क

दुनियाभर में कई ऐसे अजूबे हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है. अलग-अलग शहरों को लेकर भी ऐसा ही हाल है. इनसे जुड़े पोस्ट सोशल मीडिया पर भी वायरल होते रहते हैं. इनमें से किसी शहर में सिर्फ एक सड़क मौजूद होती है, कहीं पर पूरा का पूरा शहर वीरान पड़ा होता है. इनके वीडियोज भी लोग जमकर शेयर करते हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सड़क के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे दुनिया की सबसे संकरी गलियों में शुमार किया जाता है. आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस गली के मुहाने पर

जरा हट के

ट्रैफिक सिग्नल भी लगा है. लेकिन इस सिग्नल का इस्तेमाल गाड़ियों के गुजरने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाता है, बल्कि पैदल जाने वाले ही इसका उपयोग करते हैं.

इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को पोस्ट करते हुए रोहित सिंह (rohitsingh_47) ने कैप्शन

में लिखा है, 'दुनिया की सबसे पतली सड़क'. इस वीडियो में रोहित गली के एक मुहाने पर खड़े हैं, तो दूसरी ओर एक महिला नजर आ रही है. सड़क के शुरुआत में ही ट्रैफिक सिग्नल लगा है. यानी कि इस गली में घुसने से पहले आपको सिग्नल ऑन करना होता है, ताकि दूसरी ओर से कोई और न आ जाए, क्योंकि ये गली इतनी ज्यादा पतली है कि दो लोग एक साथ विपरित दिशा में गुजर नहीं सकते हैं. वीडियो में रोहित पहले सिग्नल दबाते हैं. तभी ग्रीन लाइट जलने लग जाती है. इसके बाद वो उस गली से गुजरने लगते हैं. सीढ़ियों से चढ़कर जब वो एक तरफ से दूसरी ओर जाते हैं, तो दीवार उनके शरीर के बेहद करीब होते हैं. वहीं, दूसरी ओर जब वो बाहर निकलते हैं, तो कई लोग उन्हें झांक-झांक कर देख रहे होते हैं.

आपको बता दें कि यह गली प्राग के सबसे पुराने इलाके माला स्ट्राना में स्थित है, जिसकी लंबाई 32 फीट है. वहीं, इस गली की चौड़ाई महज 19 इंच है. इसे दुनिया की सबसे संकरी सड़क माना जाता है. आने-जाने वाले बीच गली में फंस न जाएं, इसलिए इस गली के दोनों ओर मुहाने पर दो ट्रैफिक लाइट लगी हुई है. ये ट्रैफिक लाइट सिग्नल करने के लिए होती है, जिससे पता चल जाता है कि रास्ते में कोई आ रहा है.

5 शाकाहारी फूड से मिलेगा भरपूर प्रोटीन

शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त बनाए रखने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर डाइट लेने की सलाह दी जाती है. प्रोटीन हमारे शरीर के विकास के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है, जिसकी कमी पूरी करने के लिए तमाम लोग नॉनवेज फू का सेवन करते हैं. अंडा को भी प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स माना जा सकता है. हालांकि कई लोग नॉनवेज और अंडा का सेवन नहीं करते हैं और शाकाहारी फू पर निर्भर रहते हैं. ऐसे लोगों को प्रोटीन की कमी की चिंता सताती रहती है, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि तमाम वेज फू में अंडा और चिकन से ज्यादा प्रोटीन होता है. इन फू का सेवन करने से शरीर बेहद मजबूत बन जाएगा और आपको चमत्कारी फायदे मिल सकते हैं.

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के अनुसार प्रोटीन शरीर की कोशिका वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक हैं. अगर हम कम मात्रा में प्रोटीन का सेवन करते हैं, तो इससे मसल्स को काफी नुकसान हो सकता है. बीमारियों से उबर रहे लोगों के लिए हाई प्रोटीन डाइट रिकवरी स्पीड को तेज कर सकती है. प्रोटीन सिर्फ एक पोषक तत्व नहीं है, बल्कि आपके अस्तित्व के लिए एक बिल्डिंग ब्लॉक है. यह आपके बालों और नाखूनों से लेकर खून, स्किन, हड्डियों और शरीर की सभी सेल्स को बनाने और उनकी फंक्शनिंग बरकरार रखने के लिए जरूरी होता है. स्वस्थ रहने के लिए लोगों को प्रोटीन से भरपूर डाइट लेनी चाहिए.

इन 5 फूड से मिलेगा भरपूर प्रोटीन

– सोयाबीन में प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है. शाकाहारी लोगों के लिए सोयाबीन प्रोटीन का सबसे अच्छा सोर्स माना जा सकता है. सोयाबीन खाने से शरीर को प्रोटीन के साथ जरूरी अमीनो एसिड भी मिलते हैं. सोयाबीन से बने 100 ग्राम टोफू में करीब 12 से 20 ग्राम प्रोटीन होता है. सोया मिल्क में भी भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है.

– प्रोटीन की कमी पूरी करने के लिए लोगों को दाल का खूब सेवन करना चाहिए. दालों को प्रोटीन से भरपूर फूड माना जाता है. करीब 200 ग्राम दाल में 18 से 20 ग्राम प्रोटीन होता है. दालों में फाइबर, फोलेट, मैंगनीज और आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जिनसे शरीर मजबूत होता है. इससे कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है.

– फलियों को प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स माना जा सकता है. सभी तरह की हरी फलियों में भरपूर पोषक तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करते हैं. करीब 170 ग्राम पकी हुई फलियों में 15 ग्राम प्रोटीन होता है. इनका सेवन करने से मोटापा कम होता है और कई फायदे मिलते हैं.

– आपको जानकर हैरानी होगी कि दलिया में भी प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है. अगर आप प्रोटीन की कमी से जूझ रहे हैं, तो आप दलिया का सेवन शुरू कर सकते हैं. दलिया का सेवन करने से लोगों को भरपूर मात्रा में प्रोटीन और फाइबर मिल सकता है. करीब 40 ग्राम ओट्स में 5 ग्राम प्रोटीन और 4 ग्राम फाइबर होता है. क्विनोआ को भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है.

– चिया सीड् में भी प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है. करीब 100 ग्राम चिया सीड में 17 ग्राम प्रोटीन की मात्रा होती है. अगर आप रोज एक चम्मच चिया सीड का सेवन

वेजिटेबल चीज चीला

आ मॉर्निंग ब्रेकफास्ट में तरह तरह के स्वादिष्ट और पोषक व्यंजन बनाने का प्रयास करना चाहिए। अब सवाल है कि रोज रोज नाश्ते में क्या अलग बना सकते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं पौष्टिक और स्वादिष्ट सुबह के नाश्ते की विधि। आज ब्रेकफास्ट में आप वेजिटेबल चीज चीला बना सकते हैं। जानिए वेजिटेबल चीज चीला बनाने की आसान रेसेपी।

सामग्री

- 3 बड़े चम्मच बेसन
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च
- 1/2 कप टुकड़ों में कटा प्याज
- 1/2 कप टुकड़ों में कटा टमाटर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 1 क्यूब चीज
- स्वादानुसार नमक

बनाने की विधि

सबसे पहले तीन बड़े चम्मच बेसन एक बाउल में डालकर उसमें लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च और स्वादानुसार नमक मिला लें। अब कटा हुआ प्याज, शिमला मिर्च और टमाटर जैसी सब्जियां भी मिला लें। इसमें थोड़ा सा पानी डालकर घोल बना लीजिए।

ध्यान रखें कि घोल में गांठ न पड़े। अच्छे से मिला लीजिए। तब तक एक तवे को मध्यम आंच पर गर्म होने दें। अब इस बेचन और सब्जियों वाले घोल को गर्म तवे पर डालें और हल्का फैला लें। उसके बाद सुनहरा भूरा होने तक दोनों तरफ अच्छे से पका लें। अब तवे पर चीला के साथ एक तरफ चीज डालकर चीज के पिघलने तक पका लीजिए।

चीला बनेगा अधिक लजीज

- स्वादिष्ट के साथ पोषक नाश्ता बनाना चाहते हैं तो चीला बनाते समय ध्यान रहे कि ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें।
- चीला अच्छे से पके इसके लिए बेसन का घोल पतला रखें।
- सब्जियों को बेसन के घोल में मिलाने से पहले दो मिनट के लिए स्टीम भी किया जा सकता है।

बच्चों के लिए पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद ही नहीं

घरेलू कामकाज भी है जरूरी

पर्सनैलिटी में आता है गजब का निखार

अक्सर हम घर के छोटे बच्चों से काम काज कराना अमानवीय समझते हैं और यह मानते हैं कि ये जब बड़े हो जाएंगे तो आपने आप ही काम सीख जाएंगे. लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप छोटी उम्र से ही बच्चों को अपने साथ घरेलू काम काज में शामिल करें तो यह ना केवल उनके लिए मनोरंजन से भरपूर होता है बल्कि उनके पर्सनैलिटी को निखारने में भी काफी मदद करता है.

बच्चों को घरेलू काम सिखाने के फायदे

- **टीम वर्क-** जब बच्चे कम उम्र से ही माता पिता के काम में हाथ बाटना सीखने लगते हैं तो उनके अंदर यह समझ पैदा होती है कि टीम वर्क क्या चीज है और इसे किस तरह मिलजुलकर करना चाहिए.
- **बढ़ता है आत्मविश्वास-** दरअसल जब बच्चे अपना ब्रेकफास्ट खुद तैयार करने लगते हैं या अपने रूम की क्लीनिंग खुद करने लगते हैं तो उनके अंदर एक विश्वास पैदा होने लगती है कि कोई भी काम सीखना या करना उनके लिए मुश्किल नहीं है. इस तरह उनके अंदर खुद के प्रति विश्वास जागने लगता है.
- **बराबरी की समझ-** काम के लिए कोई उम्र या जेंडर की जरूरत नहीं होती, यह बात बच्चों को जितना जल्द समझ आ जाए, अच्छा होता है. इस तरह उनके अंदर यह समझ पैदा होती है कि घर का हर काम मिलजुल कर करना चाहिए. इस तरह उनके अंदर जेंडर इक्वैलिटी की समझ बचपन से पैदा हो जाती है.
- **लाइफ स्किल की समझ-** लाइफ स्किन यानी कि जरूरत पड़ने पर खुद की जरूरतों को खुद पूरा करने का स्किल. जी हां, हो सकता है कि छोटे बच्चों के साथ काम करना आपके लिए मुश्किल हो, हो सकता है कि वे किचन गंदा करते हों, लेकिन यकीन मानिए, टीन एज में जाते जाते वे इतने तैयार हो जाएंगे कि वे अपना ही नहीं, परिवार के अन्य सदस्यों की भी देखभाल भी खुद कर सकेंगे.
- **जिम्मेदारियों की समझ-** बच्चों में जब लाइफ स्किल डेवलप होने लगती है तो उनके अंदर चीजों के प्रति जिम्मेदारियां भी पैदा होने लगती है. मसलन, स्कूल से आकर जूतों को पहले ही पॉलिशकर रखना, थकान के बावजूद अपने लिए नाश्ता तैयार कर लेना, घर की सुरक्षा का ध्यान आदि. इसलिए प्रयास करें कि बच्चों को कम उम्र से ही अपने साथ घर के काम में शामिल करें और उनके व्यक्तित्व को निखारने

मशरूम में छिपे हैं अनगिनत लाभ

हार्ट से लेकर इम्यूनिटी के लिए भी है खास

स्वाद में बेमिसाल मशरूम सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है. इसमें ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो ना केवल हमारे हार्ट के लिए अच्छा है, बल्कि ये जानलेवा बीमारियों के खतरे को भी कम करने में मदद कर सकता है. आइए जानते हैं इसके लाभ के बारे में.

मशरूम एक ऐसी सब्जी है, जिसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, लेकिन इसमें प्रोटीन फाइबर काफी मात्रा में पाया जाता है. इसके अलावा इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जिसकी वजह से ये कैंसर, अल्जाइमर, डायबिटीज जैसी बीमारियों के खतरे को भी कम कर सकता है.

मशरूम में भरपूर मात्रा में सेलेनियम, कॉपर, थियामिन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, आयरन और जिंक पाया जाता है, जो हर तरह से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. यही नहीं, इसमें विटामिन डी सहित कई विटामिन, मिनरल्स भी होते हैं, जो हमारे बोन्स और इम्यून सिस्टम को बढ़ाने में मदद करते हैं.

अगर आप ब्लड प्रेशर के मरीज हैं और हाई बीपी की समस्या रहती है तो मशरूम आपकी समस्या को कम करने में मदद कर सकता है. इसमें मौजूद पोटैशियम ब्लड वेन्स के स्ट्रेस को कम कर ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है. इसमें सोडियम की मात्रा कम होती है इस तरह ये ब्लड प्रेशर के पेशेंट के लिए फायदेमंद हो सकता है.

मशरूम में एंटीइंफ्लामेट्री गुण भी होते हैं जो इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने का काम करता है. मशरूम में सिलेनियम, विटामिन डी विटामिन बी 6 सेल्स को डैमेज होने से बचाता है, सेल के ग्रोथ को बढ़ाता है और ब्लड सेल्स को बढ़ाने का काम करता है. इस तरह हमारी इम्यूनिटी बनी रहती है.

शोधों में पाया गया है कि अगर आप व्यायाम आदि के साथ डाइट में मशरूम को शामिल करें तो ये आपके वजन को घटाने में भी काफी मदद कर सकता है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट सेल्स के डिफेंस सिस्टम को बढ़ाता है, सूजन आदि को हील करता है और ओबेसिटी संबंधी हाइपरटेंशन को दूर रखता है. इस तरह आप अपने डाइट में मशरूम को आसानी से

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

वृष : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन : दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा।

सिंह : घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी।

धनु : नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा।

मकर : किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी।

कुंभ : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

मीन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

देवरानी के प्रेमी ने किया कत्ल: भेद न खुले इसलिए जेठानी को मार डाला

मुरादाबाद. मुरादाबाद के कांठ थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में महिला की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। महिला सीमा (35) की हत्या उसकी देवरानी सुधा के प्रेमी नीटू ने की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जेठानी सीमा ने देवरानी को उसके प्रेमी के साथ देख लिया था। इस कारण दोनों ने उसे मौत के घाट उतार दिया। सोमवार को सीमा का गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। उसके पति राहुल, ससुर, और देवर खेतों से लौटे तो उन्होंने सीमा की रक्तरंजित लाश कमरे के फर्श पर पड़ी पाई। घटना के समय घर में केवल सीमा और उसकी देवरानी सुधा मौजूद थीं। सुधा के हाथ-पैर बंधे हुए थे और मुंह में कपड़ा ठुंसा हुआ था। सुधा ने परिजनों को बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर सीमा की हत्या कर दी और उसे बंधक बना दिया। पुलिस को सुधा की बातों पर संदेह हुआ। लगातार पूछताछ के बाद सुधा टूट गई और उसने खुलासा किया कि उसके प्रेमी ने ही सीमा का कत्ल किया था। सीमा ने सुधा और उसके प्रेमी को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इसलिए यह बात किसी को पता नहीं चले दोनों ने उसे मार डाला। सुधा के प्रेमी नीटू उर्फ लिटिल को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

बहराइच में बवाल: महराजगंज कांड के मुख्य आरोपी व उसके बेटों की मिली लोकेशन

बहराइच. बहराइच के महाराजगंज में प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा और बवाल के मुख्य आरोपी अब्दुल हामिद व उसके बेटों के बेहड़ा में छिपे होने की सूचना मिली है। उनकी धरपकड़ के लिए एटीएस ने बेहड़ा में डेरा डाल दिया है और सघन जांच शुरू हो चुकी है। आरोपी नेपाल भागने की फिराक में बताए जा रहे हैं। जिलें में सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस-प्रशासन की नाकामी से ही बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हिंसा होने का कोई भी इनपुट नहीं था। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खूफिया तंत्र फेल रहा। पूरे घटनाक्रम में एडीजी जोन से लेकर आईजी और एसपी बहराइच सवालों के घेरे में हैं।

एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना से मचा हड़कंप, एयरपोर्ट पर हुई सुरक्षित लैंडिंग

अयोध्या. एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। विमान को सुरक्षित अयोध्या एयरपोर्ट पर उतार लिया गया है। इस समय विमान में 139 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट प्रशासन ने सूचना मिलने पर पहले से ही तैयारी कर ली गई थी। एयर इंडिया का विमान जयपुर से चला था। अधिकारियों के निर्देश पर अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग कराई गई है। 24 घंटे के अंदर एयर इंडिया के विमान में बम रखने की दूसरी धमकी मिली है। कमिश्नर, एसएसपी और एसपी सिटी सहित सुरक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं। किसी को आकस्मिक उपचार के लिए कोई असुविधा न हो इसके लिए एयरपोर्ट पर सीएमओ डॉक्टर संजय जैन भी उपस्थित हैं फिलहाल अभी तक विमान में किसी भी प्रकार का बम नहीं मिला है।

चुनाव आयोग ने टीवी चैनलों को जमकर लताड़ा

- **पूछा- गिनती 8.30 बजे से तो 8.05 बजे लीड कैसे बताते हैं**

नई दिल्ली. महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए इलेक्शन कमिशन ने मीडिया पर तीखी टिप्पणी की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने एग्जिट पोल्स और मतगणना के दिन मीडिया में सुबह से ही दिखाए जाने वाले रुझानों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह सब ठीक नहीं है और इसे लेकर कुछ करने की जरूरत है। इलेक्शन कमिश्नर ने नतीजों वाले दिन सुबह 8 बजे से ही चुनावी रुझान दिखाए जाने पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा, 'जब काउंटिंग का समय शुरू होता है तो 8.05 बजे और 8.10 बजे से रिजल्ट आना शुरू हो जाता है जो नॉनसेंस है। मेरी पहली काउंटिंग 8.30 बजे शुरू होती है. हमारे पास प्रमाण है इस बार कि 8.05 बजे, 8.10 बजे, 8.15 बजे आने लगा कि इतने की लीड, इतने की लीड, इतने की लीड. ऐसा तो नहीं है, हम सिर्फ पूछ रहे हैं, एग्जिट पोल को सही ठहराने के लिए वो शुरू में ट्रें* आ गए। कि हमने तो ऐसा कहा था, वैसा ही ट्रेंड हो रहा है। बाद में जो होगा, वो होगा।'

चुनाव आयुक्त ने कहा, 'पहला रिजल्ट, एक राउंड का, 8.30 बजे जब गिनती शुरू हो रही है, 9 बजने में 10 मिनट, 9 बजने में 5 मिनट से पहले आ ही नहीं सकता। 30 मिनट भी लगेंगे एक राउंड में तो आ ही नहीं सकता। हम उसको 9.30 बजे वेबसाइट पर डालते हैं। फिर 11.30 बजे डालते हैं। फिर 1.30 बजे डालते हैं।' हो सकता है कि आपके संवाददाता वहां मौजूद होंगे तो पहले बता दिया। रिजल्ट स्क्रीन पर दिखाना पड़ता है। एजेंट के साइन लेने पड़ते हैं। लेकिन 9 बजे से पहले कैसे आता है। 8.45 बजे तक जो लीड दिखा दिया जाता है उससे अपेक्षा पैदा हो जाती है और जब असली रिजल्ट आता है तो मिसमैच हो जाता है। इससे कभी गंभीर समस्या पैदा हो सकती है।

इसके अलावा एग्जिट पोल्स पर चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि इस बार भी हमने देखा और कई बार ऐसा हुआ है कि एग्जिट पोल्स कुछ बताते हैं और नतीजा उससे अलग होता है। इसलिए यह सोचने की बात है कि आखिर एग्जिट पोल्स को करने का तरीका क्या होता है और उनका सैंपल साइज क्या होता है। यह सभी चीजें सोचने की बात है। यही नहीं इस दौरान उन्होंने अकसर चुनाव नतीजों वाले दिन टीवी चैनलों और अन्य मीडिया की ओर से सुबह से ही दिखाए जाने वाले रुझानों पर भी सवाल उठाया।

कविता

विश्व निश्चेतना दिवस पर विशेष

तुम मर जाते थे कभी टेबल पर तड़पते रोते.
सर्जरी सफल भी, तो दर्द से बिलखते हुए.
फिर आए निश्चेतक फरिश्ते की तरह.
होने लगी सर्जरी भी हंसते मुस्कराते हुऐ.
सुई के चुभने से जो कहते थे जान लेते हो.
अब पता ही नहीं कब दिल दुरुस्त कर लेते हो.
सुकून भरी एक गहरी सांस.
धीरे-धीरे मीठी सी आस.
हल्की सी स्पर्श, देखरेख के साथ.
सुरक्षित नींद की, यही है राह.
माप सही, ध्यान निरंतर.
चूक नहीं, बस जिम्मेदारी हर प्रहर.
हर धड़कन पर नज़र टिकाए.
सुकून की चादर सदा बिछाए.
हल्की रोशनी, पर आँखें तेज.
रात की निगरानी में, न हो परहेज़.
सपनों के पार जब तुम जाओ.
तब भी उनका ध्यान न हट पाओ.
जब आँख खुले और महसूस हो चैन.
शरीर को मिले फिर वही सुखदैन.
संज्ञाहरण का ये क्षणिक स्पर्श.
मन को शांति दे और ढेरों हर्ष.
हर खुराक, हर सांस का हिसाब.
हमेशा सतर्क रहने का इंकलाब.
सो जाओ आराम से, चिंता हो दूर.
सुरक्षित हाथों में हमारे पास भरपूर.

-डा.सुनीता संजय यादव

48 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में उपचुनाव

- **47 सीटों में 13 नवंबर और 1 सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग**
- **वायनाड में 13 नवंबर को चुनाव**

नई दिल्ली. महाराष्ट्र और झारखंड के साथ 13 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव का ऐलान हो गया है। 47 विधानसभा सीटों और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर एक साथ 13 नवंबर को चुनाव होगा। वहीं उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट और महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। सभी सीटों के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

जहां उपचुनाव होने हैं, उनमें उत्तर प्रदेश की 10, राजस्थान की 7, पश्चिम बंगाल की 6, असम की 5, बिहार की 4, पंजाब की 4, कर्नाटक की 3, केरल की 2, मध्य प्रदेश की 2, सिक्किम की 2, गुजरात की 1, उत्तराखंड की 1 और छत्तीसगढ़ की 1 विधानसभा सीट शामिल हैं। इन 48 सीटों में से 42 विधायक सांसद बने हैं। इनमें सबसे ज्यादा कांग्रेस के 11, भाजपा के 9, सपा- टीएमसी के 5-5 और अन्य दलों के 12 विधायक शामिल हैं। बाकी 6 में से तीन सीटें निधन से खाली हुईं। सपा विधायक के जेल जाने से, सिक्किम में 2 के इस्तीफे और मध्य प्रदेश में एक विधायक के पार्टी बदलने से सीट खाली हुई।

इसके अलावा केरल की वायनाड सीट राहुल गांधी के इस्तीफे, महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद और पश्चिम बंगाल की बशीरहाट सीट तृणमूल सांसद के निधन से खाली हुई है।

यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर आज उपचुनाव का ऐलान हो सकता है। सपा अब तक 6, जबकि बसपा 5 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है। भाजपा ने अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं किए। लेकिन दो दिन पहले दिल्ली में हुई बैठक में 9 सीटों पर प्रत्याशी उतारने का फैसला किया है। एक सीट गठबंधन सहयोगी रालोद को दी जाएगी। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें अयोध्या की मिल्कीपुर, अंबेडकरनगर की कटेहरी, प्रयागराज की फूलपुर, अलीगढ़ की खैर, मिर्जापुर की मझवां, कानपुर की सीसामऊ, मैनपुरी की करहल, मुरादाबाद की कुंदरकी, गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट है।4

ओवर कॉन्फिडेंस में न रहना : राहुल

- **हरियाणा हाथ जला चुकी कांग्रेस महाराष्ट्र में अलर्ट**
- **राहुल गांधी की नसीहत**

मुंबई. हरियाणा में जीत सामने देख रही कांग्रेस को अंत में हार नसीब हुई। इस करारी हार को अब तक कांग्रेस हजम नहीं कर पाई है। इस नतीजे की एक वजह ओवर कॉन्फिडेंस भी मानी जा रही है। यही वजह है कि पार्टी अब महाराष्ट्र में हर कदम फूंक-फूंक कर रखना चाहती है। सोमवार को महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं के साथ हुई मीटिंग में राहुल गांधी ने अलर्ट भी किया कि आप लोगों को ओवर कॉन्फिडेंस से बचना होगा। उन्होंने कहा कि आप लोग एकजुट होकर काम करें और किसी भी तरह के अति आत्मविश्वास से बचें। चुनाव आयोग आज ही महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का ऐलान करने वाला है।

इसके साथ ही झारखंड के विधानसभा चुनावों का भी शेड्यूल जारी किया जाएगा। लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत से रोकने वाली कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में अच्छे नतीजे लाएगी। खासतौर पर हरियाणा में तो पार्टी को अपने दम पर सत्ता की उम्मीद थी, लेकिन नतीजे ने चौंका दिया। भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में जीत गई। अब भाजपा को महाराष्ट्र में जीत का भरोसा जग गया है, जबकि कांग्रेस वहां अब सावधानी के साथ ही चलना चाहती है। अब तक कांग्रेस महाराष्ट्र में इस भरोसे में रही है कि वह पहले नंबर पर रहेगी।

बता दें कि महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग भी INDIA अलायंस के लिए एक चैलेंज है। उद्धव ठाकरे गुट सबसे ज्यादा सीटें चाहता है, जबकि कांग्रेस का कहना है कि लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन को देखते हुए वह सबसे ज्यादा सीटों पर लड़ेगी। हालांकि इस बात पर तीनों के बीच सहमति दिखती है कि वह किसी भी हाल में एक साथ ही चुनाव में उतरेंगे। बता दें कि महाविकास अघाड़ी को लोकसभा चुनाव में अच्छी सफलता मिली थी। राज्य की 48 में से 31 सीटों पर गठबंधन जीता था। वहीं भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को महज 17 पर ही जीत मिली थी।

दिल्ली में 1 जनवरी तक पटाखे बैन

- **ऑनलाइन डिलीवरी भी नहीं होगी**
- **भाजपा बोली- पटाखे प्रदूषण फैलाते हैं, AAP वैज्ञानिक रिपोर्ट दिखाए**

नई दिल्ली. दिवाली से पहले दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) ने 1 जनवरी 2025 तक पटाखों को बैन कर दिया है।

सरकार के आदेश के मुताबिक पटाखे बनाने, उन्हें स्टोर करने, बेचने और इस्तेमाल पर बैन है। इतना ही नहीं पटाखों की ऑनलाइन डिलीवरी भी प्रतिबंधित रहेगी। इसमें ग्रीन पटाखे भी शामिल हैं।

इस बैन को सख्ती से लागू कराने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। दिल्ली पुलिस रोज इसकी रिपोर्ट DPCC को सौंपेगी।

हालांकि, दिल्ली भाजपा ने पटाखों पर बैन के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया। साथ ही आम आदमी पार्टी सरकार पर बिना कोई वैज्ञानिक सबूत पेश किए इसे लागू करने का आरोप लगाया।

पंजाब में केवल ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन

इधर, पंजाब सरकार ने कहा है कि दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान केवल ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन दी जाएगी। ग्रीन पटाखे, जो बेरियम लवण या एंटीमनी, लिथियम, पारा, आर्सेनिक, सीसा या स्ट्रोंटियम क्रोमेट के कम्पाउं* से मुक्त हैं। केवल उनके इस्तेमाल की परमिशन है।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और EC को नोटिस

याचिकाकर्ता की मांग- मुफ्त की योजनाओं के वादे को रिश्वत घोषित करें

नई दिल्ली. राजनीतिक दलों के द्वारा चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं के वादों पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। CJI डीवाई चंद्रचुड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है।

कर्नाटक के शशांक जे श्रीधर ने याचिका में चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए गए मुफ्त योजनाओं के वादे को रिश्वत घोषित करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट से यह भी मांग की गई है कि चुनाव आयोग ऐसी योजनाओं पर फौरन रोक लगाए। कोर्ट ने पुरानी याचिकाओं के साथ आज की याचिका को सुनवाई के लिए मर्ज कर लिया।

श्रीधर के वकील विश्वदित्य शर्मा और बालाजी श्रीनिवासन ने याचिका में कहा- 'चुनाव के बाद फ्रीबीज की योजनाओं को पूरा करने का कोई मैकेनिज्म नहीं है, जिस पर वोट हासिल किए गए थे। मुफ्त योजनाएं और कैश देने के वादे जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत रिश्वत देकर वोट देने के लिए प्रेरित करने की भ्रष्ट प्रथा है।'

याचिकाकर्ता ने कहा कि, 'राजनीतिक दल ऐसी योजनाओं को कैसे पूरा करेंगे, यह नहीं बताते। इससे सरकारी खजाने पर बेहिसाब बोझ पड़ता है। यह वोटर्स और संविधान के साथ धोखाधड़ी है। इसलिए इस पर रोक के लिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।'

अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत

- **32 हजार करोड़ की डील फाइनल**
- **तीनों सेनाओं को मिलेंगे**
- **देश में ही बनेगी मेंटेनेंस फैसिलिटी**

नई दिल्ली. अमेरिका और भारत के बीच मंगलवार को 32 हजार करोड़ की डिफेंस डील फाइनल हो गई है। इसके तहत भारत 31 प्रीडेटर (MQ-9B हंटर किलर) ड्रोन अमेरिका से खरीदेगा। ये अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन का ही एक वैरिएंट है। ये ड्रोन तीनों सेनाओं को दिए जाएंगे। इसके मेंटेनेंस और रिपेयरिंग के लिए देश में ही फैसिलिटी बनाई जाएगी। डिफेंस अफसर ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा कि दोनों देशों के सीनियर अफसरों ने मंगलवार को डील पर दस्तखत किए गए। पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में यह डील फाइनल हुई थी। भारत ने अमेरिका के साथ अमेरिकी चुनाव के एक हफ्ते पहले किया है।

15 ड्रोन नेवी और बाकी आर्मी-एयरफोर्स में बंटेंगे

अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स भारत को ये ड्रोन देगी। इन्हें चेन्नई में INS राजानी, पोरबंदर और गुजरात के सरसावा में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा इसे UP के गोरखपुर में भी तैनात किया जाएगा।

नाबालिगों ने दी मुंबई-न्यूयॉर्क फ्लाइट में बम-ब्लास्ट की धमकी

मुंबई. मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान को 'X' पर बम से उड़ाने की धमकी मामले में मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में छापेमारी की है। पुलिस ने मोबाइल और कम्प्यूटर कारोबारी के बेटे समेत 4 नाबालिग संदेहियों को हिरासत में लिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मुंबई पुलिस की स्पेशल 5 सदस्यीय टीम कारोबारी के 17 साल के बेटे से पूछताछ कर रही है। टीम कारोबारी के घर सोमवार रात तक डटी रही। फिर वहां से उसे राजनांदगांव के विश्राम गृह लेकर आई है। आरोपी ने दूसरे की मेल आईडी हैक कर धमकी दी थी। पहले भी ये ट्रेन को उड़ाने की धमकी दे चुका है। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था।

टीम ने लैपटॉप, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस समेत आरोपी के कार को भी जब्त किया है। सभी की जांच की जा रही है। चारों नाबालिगों को अलग-अलग बैठाकर पूछताछ कर रही है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में चौथा आरोपी गिरफ्तार

- **यूपी के बहराइच से पुलिस ने पकड़ा**

मुंबई. मुंबई क्राइम ब्रांच ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान 23 वर्षीय हरीश कुमार बालकराम के रूप में हुई है, जिस पर पैसे की आपूर्ति करने और रसद की व्यवस्था करने का आरोप है। उत्तर प्रदेश के बहराइच से मंगलवार को उसकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि बालकराम महाराष्ट्र के पुणे में कबाड़ विक्रेता के रूप में काम करता था। पुलिस इस पहले सिद्दीकी मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी थी। इनमें हरियाणा निवासी 23 साल का गुरमेल बलजीत सिंह, उत्तर प्रदेश का रहने वाला 19 वर्षीय धर्मराज राजेश कश्यप और तीसरा व्यक्ति प्रवीण लोंकर शामिल है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश पुणे में रची गई थी। हमलावरों को टारगेट की पहचान के लिए एक तस्वीर और फ्लेक्स बैनर मुहैया कराया गया था। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने 66 वर्षीय नेता की शनिवार रात हुई हत्या की जांच के दौरान साजिश में पुणे के प्रवीण लोंकर और उसके भाई शुभम लोंकर की भूमिका का खुलासा किया। एक अधिकारी ने कहा कि वांटेड आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हत्या के पीछे का मकसद पता चल सकेगा।

लोंकर बंधु सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य आरोपी

पुलिस ने लोंकर बंधुओं को इस अपराध में मुख्य आरोपी के रूप में पहचान की है। दोनों ने शूटरों को वित्तीय मदद दी, साजोसामान देने के साथ-साथ हमले के लिए बैठक करने की व्यवस्था की। शुभम के मालिकाना वाली डेयरी में प्रवीण काम करता था। डेयरी में ही उन्होंने शूटर शिवकुमार गौतम और धर्मराज कश्यप की भर्ती की थी। अधिकारियों ने बताया कि साजिश को कई बैठकों के बाद अंतिम रूप दिया गया। प्लान को सही से अंजाम देने पर भारी भरकम भुगतान का वादा किया गया और शूटरों को 50 हजार रुपये पहले ही दे दिए गए थे। हमलावरों ने सिद्दीकी की दिनचर्या और उसके आवास की टोह लेने के लिए मोटरसाइकिल खरीदी।

गंभीर बोले-हर मैच के बाद कोहली को आंकना ठीक नहीं

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि विराट कोहली के खराब प्रदर्शन को लेकर वह चिंतित नहीं हैं। कोहली में रनों की उतनी ही भूख है, जितनी डेब्यू के समय थी। यही भूख उन्हें विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है।

गंभीर ने सोमवार को बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हर मैच के बाद विराट का आकलन करना सही नहीं। मुझे यकीन है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज और ऑस्ट्रेलिया में भी रन बनाएंगे। कोहली ने टेस्ट की पिछली 8 पारियों में सिर्फ एक बार फिफ्टी जमाई है। तब उन्होंने दिसंबर 2023 में सेंचूरियन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की पारी खेली थी। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खत्म हुई दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने 6 और 17 रन बनाए। कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 47 रन और दूसरी पारी में नाबाद 29 रन बनाए।

गंभीर को उम्मीद- न्यूजीलैंड टेस्ट में विराट करेंगे वापसी

गौतम गंभीर ने कहा- उम्मीद है कि विराट फॉर्म में लौट आएंगे और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में अपना बेस्ट देंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 24 अक्टूबर से खेला जाना है। विराट को लेकर मेरी सोच एकदम साफ है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं। उन्होंने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है।

अगर हमें नतीजे अनुकूल मिल रहे हैं, तो चिंता की कोई बात नहीं है। हर खिलाड़ी रोज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता है। हमारा काम खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना है। मेरा काम बेस्ट 11 का चयन करना है, किसी को बाहर करना नहीं। हमें आठ टेस्ट लगातार खेलने हैं और सभी की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर हैं।

बेटियों की हत्या कर मां ने लगा ली फांसी, काम से लौटे पिता ने लाशें देखने के बाद दे दी जान

बेंगलुरु. बेंगलुरु से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पर एक 29 वर्षीय विवाहिता ने अपनी दो बेटियों की हत्या के बाद खुद को फांसी लगा ली। शाम को पति घर लौटा तो सभी का शव देखकर उसने भी अपनी जान दे दी। घटना रविवार दोपहर को उत्तरी बेंगलुरु के घर में हुई। मरने वालों में अविनाश, उसकी पत्नी ममता, बेटियां अनन्या और अधीरा हैं। एक बेटी की उम्र दो और दूसरी की उम्र 4 साल थी। यह परिवार मूल रूप से कलबुर्गी जिले का रहने वाला था और पिछले छह साल से बेंगलुरु में रह रहा था। पुलिस को शक है पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने ऐसा कदम उठाया होगा। बाद में पत्नी और बच्चों की मौत से अविनाश इतना व्यथित हो गया कि उसने भी अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी सोमवार सुबह नौ बजकर 30 मिनट पर हुई। अविनाश का छोटा भाई उदयकुमार घर पर पहुंचा तो उसकी लाश छत से लटकती मिली। अन्य सभी की लाशें बेड पर पड़ी हुई थीं। उदय एक स्कूल में फिजिकल एजुकेशन ट्रेनर है और अविनाश के साथ ही रहता था। वह कलबुर्गी अपने गांव गया था और सोमवार को लौटा।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

शहर अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांचे कार्यालय

उल्हासनगर महानगरपालिका शहरा मधील खालील नमुद 01 कामे योग्य वर्गातील ठेकेदारा कडून निविदा प्रणाली पध्दतीनुसार महानगर पालिकेच्या अटी व शर्तीसअधिन राहून दिनांक 16/10/2024 रोजी निविदा मागविण्याकरीता प्रसिध्द करण्यात येत आहे.

अ. क्र.	निविदा क्रमांक	कामाचे नाव	रक्कम	टक्केवारी	कालावधी	वर्गवारी
1.	उमपा/साबांवि/नोटीस /2024-25/1/1	उल्हासनगर-2 मधील बैरक नं. 273/4 व 271 व परिसरात पेव्हमेंट रोड व नाली बनविणे.	700000	1%	3 महिने	VI TH

सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती www.umc.gov.in या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

जा.क्र. उमपा/पिआरओ/400/2024.
दिनांक : 15/10/2024

सही/-
कार्यकारी अभियंता (साबांवि)
उल्हासनगर महापालिका

संक्षेप...

1.10 लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

ठाणे. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने ठाणे जिले के शहापुर तालुका अंतर्गत एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के निदेशक एवं संयुक्त सचिव चंद्रकांत हरिभाऊ धानके को एक कर्मचारी से उसकी वार्षिक वेतन वृद्धि बहाल करने के एवज में कथित तौर पर 1.10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है. एसीबी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. स्कुल के एक अध्यापक के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की वजह से उसका वेतन वृद्धि दो साल से रुका हुआ था. एसीबी के पुलिस उपाधीक्षक धर्मराज सोनके के मुताबिक कि वेतन वृद्धि बहाल करने के लिए आरोपी ने कथित तौर पर धन की मांग की थी. चंद्रकांत हरिभाऊ धानके शाहपुर तालुका में शैक्षणिक संस्थान का निदेशक और संयुक्त सचिव है. पीड़ित रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई.

भाजपा के लिए आर-पार की जंग

महाराष्ट्र चुनाव में देनी होगी अग्निपरीक्षा

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर 20 नवंबर को होने वाले चुनावों की घोषणा के बाद अब सभी की नजरें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर टिकी हैं। भाजपा राज्य की सत्ताधारी महायुति गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है। लोकसभा चुनावों में राज्य में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा वापसी की उम्मीद कर रही है। राज्य में अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए यह चुनाव भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

भाजपा के लिए यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में 6 महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। जून 2024 में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफे की पेशकश की थी। इस चुनाव में भाजपा को महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से केवल 9 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि 2014 और 2019 में पार्टी ने 23 सीटें जीती थीं। भाजपा का वोट प्रतिशत भी 27.84% से घटकर 26.45% हो गया था।

भाजपा के लिए क्या दांव पर है?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण अग्निपरीक्षा है। चुनावी जीत से पार्टी का मनोबल बढ़ेगा, खासकर हरियाणा में 10 साल की सत्ता-विरोधी लहर के बावजूद पार्टी की शानदार जीत के बाद भाजपा अधिक सीटें जीतकर अपने गठबंधन सहयोगियों, शिवसेना और एनसीपी (अजित पवार गुट), के साथ सत्ता-साझेदारी में अपनी स्थिति को मजबूत कर सकती है। साथ ही चुनावी जीत भाजपा पर लगने वाले 'ऑपरेशन लोटस' के आरोपों को भी कमजोर कर देगी, जिसे पार्टी ने बार-बार नकारा है।

अगर भाजपा हार गई तो क्या होगा?

यदि महाराष्ट्र में भाजपा उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती, तो इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर भी पड़ सकता है। लोकसभा चुनाव में भाजपा के कुल सीटों का आंकड़ा घटकर 240 हो गया था, जिसके बाद विपक्षी दलों ने दावा किया था कि मोदी की लोकप्रियता कम हो रही है। अगर विधानसभा चुनाव में विपक्षी दल जीतते हैं, तो यह साबित करेगा कि 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा का कमजोर प्रदर्शन कोई अपवाद नहीं था।

महाराष्ट्र में भाजपा का कैसा रहा प्रदर्शन

पिछले एक दशक से भाजपा महाराष्ट्र विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी रही है। 2014 में भाजपा ने शिवसेना से अलग होकर चुनाव लड़ा और 122 सीटें जीतीं। इसके बाद शिवसेना फिर से भाजपा के साथ आ गई और दोनों ने मिलकर राज्य में सरकार बनाई। हालांकि, 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना ने सत्ता में बराबर की हिस्सेदारी और मुख्यमंत्री पद की अदला-बदली की मांग की, जिसके बाद दोनों पार्टियों के रास्ते अलग हो गए। उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) के साथ मिलकर महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार बनाई।

हालांकि, 2022 में शिवसेना के वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने 40 विधायकों के साथ बगावत कर दी और एमवीए सरकार गिर गई। शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। इसके बाद, एनसीपी नेता अजित पवार ने भी पार्टी में विभाजन कर भाजपा-शिंदे गठबंधन में शामिल हो गए। अब, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है, जहां वह अपने पिछले प्रदर्शन से बेहतर करना चाहेगी और राज्य की सत्ता में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखना चाहेगी।

मुख्यमंत्री ने किया 'माझी टीएमटी' ऐप का उद्घाटन

यात्रियों को मिलेगी मोबाइल से टिकट निकालने की सुविधा

ठाणे. मनपा परिवहन सेवा के माध्यम से यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए माझी टीएमटी मोबाईल ऐप का उद्घाटन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों से किया गया।इस ऐप के जरिए यात्रियों को यूपी आय द्वारा डिजिटल टिकिट निकालने की सुविधा उपलब्ध मिलेगी।साथ ही कुछ जगहों पर टिकिट की सुविधा उपलब्ध है यह टीएमटी की सभी जगहों पर सुविधा उपलब्ध होगीं।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों से आनंद दिघे वाचनालय के उद्घाटन के समय इस टीएमटी ऐप का भी उद्घाटन किया।टिकिट का डेमो मुख्यमंत्री शिंदे ने देखा।इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के, विधायक प्रताप सरनाईक, मनपाआयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, टीएमटी व्यवस्थापक भालचंद्र बेहरे, पूर्व नगरसेवक विकास रेपाले, नम्रता भोसले आदि उपस्थित रही।मोबाईल ऐप के माध्यम से यात्रियों को यूपीआय डिजिटल तिकिट निकाल सकेंगे इसके लिए डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग का उपयोग कर सकते हैं।इसके अलावा बस कब और कितना बजे स्टॉप पर पहुंचेगी इसका भी जानकारी मिलेगा।

दशहरा रैली में भिवंडी मनपा के कर्ज व भ्रष्टाचार की गूंज

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा सरकार से भिवंडी मनपा प्रशासक कार्यकाल की जांच कराए जाने पर जोर.

भ्रष्टाचार के घेरे में प्रशासक

भिवंडी. भिवंडी मनपा की कर्जदारी, अवैध बाँधकाम पर वसूली सहित प्रशासनिक स्तर पर शुरू भ्रष्टाचार की गूंज मुंबई शिवाजी पार्क में दशहरा रैली में सुनाई पड़ी. शिवसेना उद्धव गट प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भिवंडी मनपा पर 225 करोड़ रुपए की कर्जदारी, भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा की जा रही वसूली सहित प्रशासकीय कार्यकाल में शुरू भारी भ्रष्टाचार का मुद्दा रैली में मौजूद हजारों लोगों के समक्ष उठाते हुए शिंदे सरकार को जमकर घेरा. पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे द्वारा भिवंडी मनपा

में शुरू भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाए जाने से सरकार द्वारा प्रशासकीय कार्यकाल की जांच के आसार होने से अधिकारियों में खलबली मची है. गौरतलब हो कि, शिवाजी पार्क मुंबई में आयोजित दशहरा रैली में हजारों लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने करीब 1.5 वर्ष के प्रशासकीय कार्यकाल

में जारी खुलेआम भ्रष्टाचार पर तंज कसते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे सरकार के कार्यकाल में सभी तरफ भ्रष्टाचार चरम पर है. मनपा पानी, बिजली बिल सहित ठेकेदारों के बिल भुगतान सहित रिटायर कर्मियों के जमा पैसे का भुगतान करने की भी हालत में नहीं हैं. भ्रष्ट प्रशासन की वजह से शहर में एक वर्ष में अवैध बाँधकाम निर्माण को भारी बढ़ावा मिला है. अवैध निर्माण को

संरक्षण देने की खातिर प्रशासक स्तर पर भारी लेनदेन होने की शिकायत है.

भाजपा विधायक महेश चौगुले, उद्धव ठाकरे गट सचिव गोकुल कदम ने भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, एंटी करप्शन ब्यूरो, नगर विकास विभाग एवं लोकायुक्त को पत्र देकर भिवंडी मनपा में शुरू भ्रष्टाचार की जांच की मांग की है. विधायक चौगुले ने डीपी आरक्षित भूखंड को चेंज करने के लिए पैसे की डिमांड करने के लिए प्रशासक अजय वैद्य की भ्रष्ट कार्यप्रणाली की लिखित शिकायत की है.ठाकरे गट सचिव गोकुल कदम ने भी मुख्यमंत्री शिंदे सहित एसीबी महासंचालक मुंबई, ठाणे, लोकायुक्त, मुख्य सचिव आदि को लिखितपत्र देकर प्रशासक अजय वैद्य सहित भ्रष्ट कारोबार में प्रमुख सूत्रधार प्रशासक अजय वैद्य के तथाकथित खासमखास एवं सीएम शिंदे के पीए प्रभाकर काले, बिल्डर अरुण भानुशाली, मनपा अधिकारी सुदाम जाधव सहित कई अन्य भ्रष्ट अधिकारियों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है.

टोरेंट पावर द्वारा भिवंडी ग्रामीण के ग्राहकों के लिए संवाद कैंप का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. टोरेंट पावर लि. द्वारा पूर्णा ग्राहक सेवा केंद्र, भिवंडी में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. संवाद कार्यक्रम में 300 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया. टोरेंट अधिकारीयों ने बिजली उपभोक्ताओं के समस्या का समाधान किया और इस अवसर का उपयोग एक जागरूकता निर्माण अभियान के रूप मे करते हुए ग्राहकों को अहम मुद्दों के प्रति जानकारी दी.टोरेंट अधिकारियों ने पीडी उपभोक्ताओं के महावितरण बकाया के लिए विशेष ब्याज माफ़ी योजना "महावितरण अभय योजना 2024", लंबित कनेक्शन,

डिजिटल भुगतान सेवाए, विद्युत सुरक्षा, बिल संबंध, डिजिटल भुगतान सेवाए, नया बिजली टैरिफ, जैसे विषयो पर उपभोक्ताओं को जागृत किया गया. टोरेंट पावर ने भिवंडी में इसी तरह के विभिन्न संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया था और ग्राहक संवादों में कुल 3000 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया था.उक्त संवाद कार्यक्रम में टोरेंट पावर के महाप्रबंधक अंकित साहा, बीनू सेतुमाधवन, राघवेंद्र राव, विजय राणे, जनसंपर्क अधिकारी मंदार घाणेकर, अमित कडू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं ने टोरेंट पावर के ग्राहक संवाद कार्यक्रम को अच्छा प्रतिसाद मिला.

भिवंडी शिवसेना विधी सेल अध्यक्ष पद पर एड. योगेश जाधव नियुक्त

भिवंडी. भिवंडी शिवसेना शिंदे गुट के शहर प्रमुख सुभाष माने ने सामाजिक कार्यकर्ता एड योगेश जाधव को नियुक्ति पत्र देकर विधि सेल भिवंडी शहर का अध्यक्ष बनाया है.गरीब और आम जनता के लिए सदैव न्याय की लड़ाई लड़ने वाले लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता एड योगेश जाधव भिवंडी शहर में काफी लोकप्रिय है.

एडवोकेट जाधव की नियुक्ति से लोगों में भारी खुशी फैली हुई है, जिनका स्वागत करने के लिए शहर के सभी जाति धर्म के लोग इस नियुक्ति पर खुशी व्यक्त कर उनका अभिनंदन कर रहे हैं.योगेश जाधव की इस नियुक्ति पर उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था अध्यक्ष कृष्ण गोपाल सिंह ,पूर्व नगरसेवक प्रशांत लाड, शिवसेना जिला सचिव समीर पवार,शिवसेना शाखा प्रमुख संजय काबूकर, ठाकुर श्रीराज सिंह,पत्रकार गुरुप्रसाद सिंह आदि ने नियुक्ति का स्वागत करते हुए बधाई दी है.

पहले ज्यादा बड़ी जीत से सत्ता में आएंगे- शिंदे

महाराष्ट्र चुनाव की तारीख के ऐलान पर बोले CM शिंदे

मुंबई. हरियाणा चुनाव के नतीजे आने के बाद विपक्ष ने ईवीएम पर सवाल उठाए जिसका जवाब आज मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भी दिया. वहीं, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने विपक्ष के आरोपों पर तंज करते हुए कहा कि जब विपक्ष जीतती है तो ईवीएम ठीक है, कोर्ट ठीक है और निर्वाचन आयोग ठीक है.

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक मीडिया से बातचीत में सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, "महाराष्ट्र की जनता जानती है कि विपक्ष डबल रोल

प्ले कर रही है कि ईवीएम खराब है, निर्वाचन आयोग खराब है. जब विपक्ष जीतता है तो ईवीएम सही है. चुनाव आयोग सही है और कोर्ट सही है लेकिन जब उनके पक्ष में नतीजे नहीं होते हैं तो ईवीएम खराब है."

सीएम शिंदे ने कहा कि हम मजबूती, साहस और विकास के साथ चुनाव में उतरते हैं. शिंदे ने जीत का दावा करते हुए कहा कि हम अगले महीने वाले विधानसभा चुनाव में पहले से ज्यादा बड़ा जनादेश लेकर आएंगे. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हर किसी को चाहे महिला हो या वरिष्ठ नागरिक, किसान हो या आम नागरिक, सबको अपनी कल्याणकारी योजना से हितधारक बनाया है और यह चुनाव के नतीजों में नजर आएगा. उन्होंने कहा कि 20 नवंबर महाराष्ट्र का भविष्य तय करेगा.

राशिद अलवी के आरोपों के बाद आया था ECI का बयान

दरअसल, कांग्रेस नेता राशिद अलवी ने हाल में कहा था कि महाराष्ट्र में विपक्ष को दबाव बनाना चाहिए कि चुनाव बैलट पेपर से हों. वर्ना महाराष्ट्र में बीजेपी सरकार और निर्वाचन आयोग कुछ भी कर सकते हैं. अगर इजरायल पेजर और वॉकी-टॉकी के इस्तेमाल से लोगों को मार सकता है तो फिर ईवीएम कहां है. विपक्ष के आरोपों मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि जनता मतदान में भाग लेकर सवालों के जवाब देती है. ईवीएम का जहां तक सवाल है वह 100 फीसदी फूलप्रूफ है.

24 वर्षीय व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या; 3 गिरफ्तार

नवी मुंबई. एक 24 वर्षीय व्यक्ति ने एक स्टोर के काउंटर पर रखे जार से चिक्की के दो छोटे टुकड़े निकालने के लिए अपनी जान गंवा दी। मृतक की पहचान जुयाल इमरान खान (24) के रूप में हुई है, जो पनवेल का रहने वाला था। उसे शनिवार को म्हापे एमआईडीसी के प्लॉट नंबर ए/544 में स्थित एक स्टोर से बिना किसी अनुमति के मिठाई निकालने पर तीन लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। बताया गया कि खान और उसका एक दोस्त इरफान लतीफ शेख (28) गोठीवली गांव में गए थे। उन्होंने एक दुकान से काउंटर टेबल पर रखे जार को खोलकर बिना अनुमति के दो चिक्की निकालीं और खा लिया।

डेब्यू फिल्म के दौरान टूट चुकी थीं श्रद्धा कपूर

बोलीं- लोगों का बर्ताव हमेशा अच्छा नहीं होता

श्रद्धा कपूर इन दिनों फिल्म स्त्री 2 की सक्सेस एंजॉय कर रही हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉ* ब्रेक किए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने बताया सक्सेस की ऊंचाइयों तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। पहली फिल्म तीन पत्ती की शूटिंग के कुछ ही दिनों में, उन्होंने अपनी मां से कहा था वह वापस नहीं जाना चाहतीं। लोगों का व्यवहार हमेशा अच्छा नहीं होता।

कॉस्मोपॉलिटन के साथ इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर ने अपनी डेब्यू फिल्म तीन पत्ती के दौरान आईं मुश्किलों के बारे में बात की। श्रद्धा ने कहा, 'मुझे याद है फिल्म की शूटिंग को शुरू हुए दो या तीन दिन ही हुए होंगे। मैं टूट चुकी थी। मैंने मां से कहा था कि मुझे वापस नहीं जाना।'

श्रद्धा ने कहा, 'मैंने कभी फिल्म सेट पर असिस्टेंट डायरेक्टर का काम नहीं किया था। मैं सिर्फ 20 या 21 साल थी। लोगों का बर्ताव हमेशा अच्छा नहीं होता था। अगर आप कोई खास हैं, तो आपसे अलग तरीके से बात की जाएगी, और अगर आप कोई नहीं हैं, तो आपको वैसे ही ट्रीट किया जाएगा। ये सब देखकर मुझे बहुत खराब लगता

था।'

श्रद्धा ने कहा, 'पहली फिल्म पूरी होने के बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ा था। हां, शुरुआत में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। लेकिन जब मैंने दूसरे प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया, तो खुद पर पहले से भी ज्यादा भरोसा महसूस किया।'

श्रद्धा ने 2010 में बॉलीवुड में किया था डेब्यू

श्रद्धा ने 2010 में फिल्म 'तीन पत्ती' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने अपर्णा खन्ना का रोल किया, जो एक कॉलेज छात्रा थी। इस फिल्म का डायरेक्शन लीना यादव ने किया है।

पर्सनल लोन के बहाने 14 लाख की ठगी

नवी मुंबई. कलंबोली में रहने वाले एक व्हाट्सएप पर एक्सिस बैंक के अधिकारी का फर्जी आईडी कार्ड भेजकर ठगों ने पर्सनल लोन बहाने 14 लाख रुपए का चूना लगाया था, जिसकी शिकायत कलंबोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी, इस मामले का पनवेल पुलिस की साइबर सेल की टीम ने पर्दाफाश करते हुए दिल्ली से एक आरोपी को गिरफ्तार करने सफलता पाई. इस मामले से जुड़े अन्य 3 आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश साइबर सेल की टीम कर रही है.

पनवेल पुलिस के साइबर सेल की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दीपाली पाटिल और टीम ने उक्त अपराध में बैंक ट्रांजैक्शन विश्लेषण और जटिल तकनीकी विश्लेषण किया, जिसमें यह पाया गया कि उक्त अपराध में संदिग्ध आरोपियों का गिरोह एक्सिस बैंक से पर्सनल लोन दिलाने के नाम पर लोगों धोखाधड़ी कर रहा है.

यह गिरोह दिल्ली में बैठकर उक्त घटना को अंजाम दे रहा है. जिसके आधार पर सायबर सेल की टीम ने दिल्ली में जाल बिछाकर उक्त अपराध से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार किए गए आरोपी से अपराध के तकनीकी साक्ष्य प्राप्त किए गए हैं. उक्त गिरोह को साल 2023 में क्रेडिट कार्ड से धोखाधड़ी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था. पनवेल पुलिस की साइबर सेल की टीम को जांच में यह भी पता चला है कि उक्त गिरोह ने छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी ऐसे अपराध किए हैं.

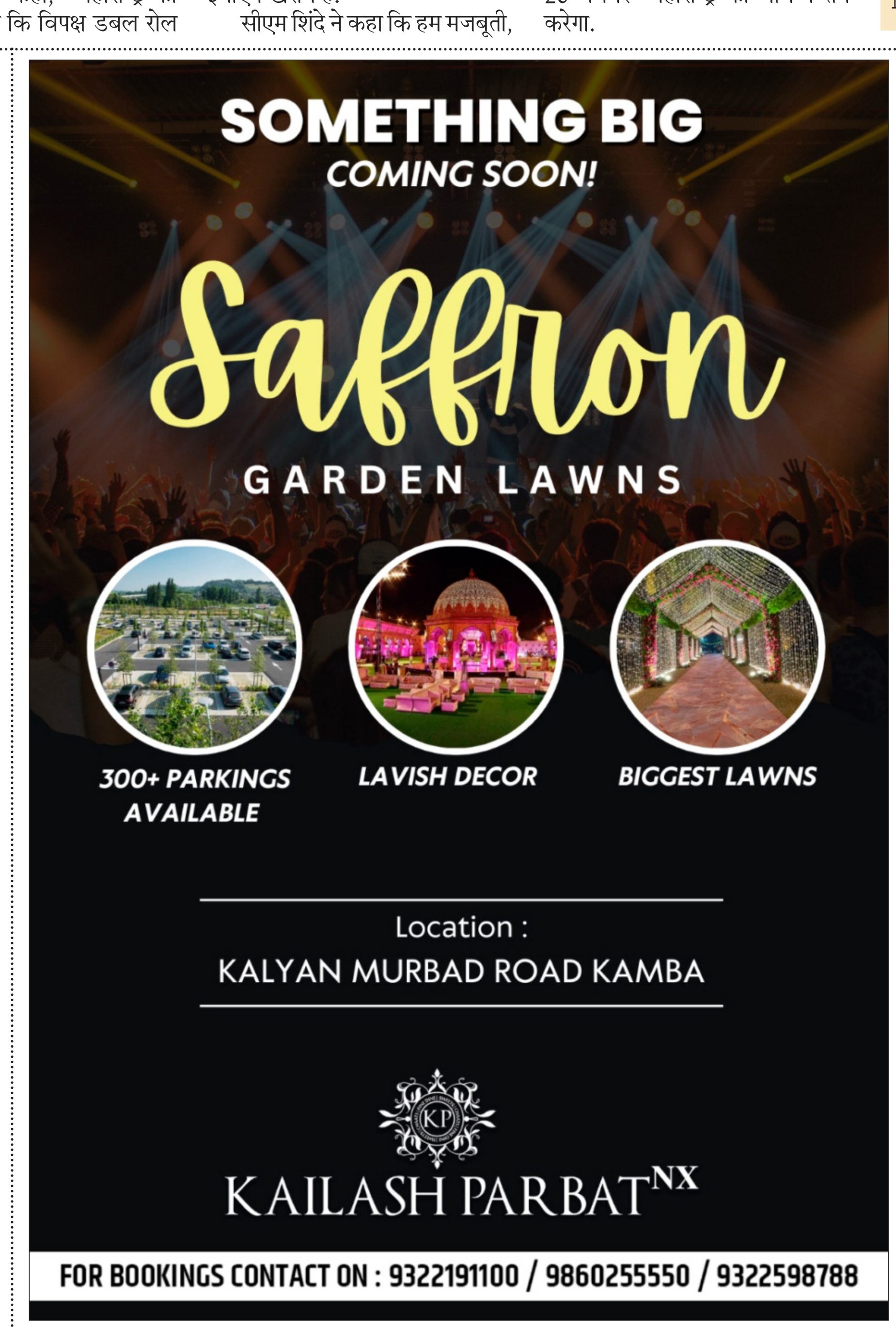

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099